एक दिवसीय कार्यशाला प्रतिवेदन

कार्यशाला का विषय	-	"Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship Development in India"
दिनांक	-	**16.10.2023**
कार्यशाला स्थल	-	**सेमीनार हाल नवीन भवन,** **बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी (छ.ग.)**

बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी (छ.ग.) के प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे के निर्देशन में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 16.10.2023 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय **"Reflection on the effectiveness of the Startup India Scheme for Entrepreneurship Development in India"** था। कार्यक्रम आयोजन में पंजाब नेशनल बैंक, धमतरी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना से की गयी।

- कार्यक्रम में **डॉ. मनदीप खालसा**, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए, कार्यशाला के विषय चयन एवं उसकी वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिता पर प्रकाश डाला।
- **श्री रविकांत आर्य**, प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक, धमतरी ने हमारे देश में स्वतंत्रता पश्चात् बैंकिंग प्रणाली की अत्यंत सीमित विस्तार के कारणों पर प्रकाश डाला तथा इस संबंध में वित्तीय समावेशन की आवश्यकता तथा प्रयासों की व्याख्या की, पंजाब नेशनल बैंक जो स्टेट बैंक के बाद देश का दूसरा बड़ा वाणिज्यिक बैंक है, के द्वारा वित्तीय समावेशन के द्वारा किये गये प्रयासों जिसमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना के द्वारा बड़े पैमाने पर खाता खुलवाकर लोगों ने बैंकिंग की मुख्य धारा में सम्मिलित हुए का भी उल्लेख किया।
- द्वितीय प्रवक्ता के रूप में **मनीष कुमार सिंग**, डिप्टी मैनेजर-पंजाब नेशनल बैंक ने वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तारपूर्व जानकारी दी। बहुत कम प्रीमियम पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति

सुरक्षा बीमा योजना, प्राविडेंट फण्ड आदि योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा का लाभ लिया जा सकता है। इस संबंध में बैंको की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की।

- तृतीय प्रवक्ता के रूप में **मनीकांत**, प्रबंधक-पंजाब नेशनल बैंक, रायपुर क्षेत्रीय डिजीटल कार्यालय ने ऑनलाईन बैंकिग, डिजीटल बैंकिग के व्यापक प्रयोग, उसकी सुरक्षा कार्यक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा किये तथा साईबर फ्रॉड से बचने के उपायों की जानकारी दी।
- तत्पश्चात् चतुर्थ प्रवक्ता के रूप में **अभय कुमार**, प्रबंधक-पंजाब नेशनल बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने महिलाओं के लिये पावर सेविंग एकाउण्ट से संबंधित सुविधा की जानकारी दी। इस प्रकार के खातों में महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।

भूपेन्द्र साहू, एम.ए.-प्रथम सेमेस्टर ने रेपो रेट में परिवर्तन का लोन के प्रीमियम पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रश्न किया, जिस संबंध में श्री मनीष कुमार, प्रबंधक-पी.एन.बी. ने बताया कि रिटेल लोन एवं एम.एस.ई. एवं कारपोरेट लोन पर रेपो रेट का त्वरित प्रभाव पड़ता है तथा कृषि ऋण (के.सी.सी. लोन) पर इसका त्वरित प्रभाव नहीं पड़ता है।

- पूर्व प्राचार्य, प्रो. अर्थशास्त्र **डॉ. अनंत दीक्षित** ने बैंकिग प्रणाली के सीमित विस्तार के कारण लोगों को होने वाली समस्याओं के बारे में चर्चा की एवं वर्तमान में व्यापक वित्तीय समावेशन से होने वाले लाभ-जैसे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के द्वारा शासन की योजनाओं का लाभ सीधा लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित होते है।

डॉ.सरला द्विवेदी, मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष द्वारा शिक्षा ऋण के सम्बंध में प्रश्न पूछा गया।

श्री मनीकांत प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक ने शिक्षा ऋण संबधी आवश्यक दस्तावेज एवं औपचारिकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी की उन्होने प्रतिभा एवं उडान षिक्षा ऋण संबधी जानकारी दी। रिशिका पंजाबी एम.ए. तृतीय सेम. ने स्टार्टअप के संबंध में ऋण प्रक्रिया पर प्रष्न पूछा जिसमें श्री मनीकांत सर ने षासन की स्टेंडअप योजना ,मुद्रा योजना में 10 लाख तक के ऋण ले सकते है के बारे में विस्तृत जानकारी

दी। साइबर के फ्राड के बारे में गौरव जैन प्रेरणा जैन ,तृप्ति पटेल ने प्रष्न पूछा जिनके प्रष्नों का यथेचित जवाब बैंक अधिकारियों द्वारा प्रदान किया ।

- पूर्व प्राचार्य, प्रो. वाणिज्य **डॉ. चन्द्रशेखर चौबे** ने विद्यार्थियों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम से मिलने वाले लाभों की व्याख्या की तथा जामताड़ा जैसे साईबर क्राईम नेटवर्क से सजग एवं सर्तक रहते हुये सुरक्षित डिजिटल भुगतान की सुविधा का लाभ उठाने के लिये प्रेरित किया।
- कार्यक्रम का संचालन डॉ. तामेश्वरी साहू, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र द्वारा किया गया।
- डॉ. वेदवती देवांगन, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यशाला आयोजन में श्री देवव्रत पटेल, डॉ. हेमवती ठाकुर, उप प्राचार्य डॉ. अनिता राजपुरिया, डॉ. प्रभा वेरूलकर, डॉ. सरला द्विवेदी, प्रो. जयश्री पंचांगम, डॉ. सपना ताम्रकार, प्रो. गायत्री लहरे, प्रो.कृष्ण कुमार देवांगन, डॉ. जितेन्द्र मानकर, डॉ. चन्द्रिका साहू, डॉ. ए. के. सिंह, प्रो. निरंजन कुमार, डॉ. राकेश कुमार साहू का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के 53 शैक्षणिक स्टॉफ (प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि व्याख्याता) 164 छात्र-छात्राएं एवं बैक के 10 अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

punjab national bank
अर्थशास्त्र परिषद
आपका अभिनंदन करता है

अर्थशास्त्र परिषद
आपका अभिनंदन करता है
Shot on realme C2

GPS Map Camera
Dhamtari, Chhattisgarh, India
PG5J+J2X, PG College Rd, Subhash Nagar, Dhamtari,
Chhattisgarh 493773, India
Lat 20.708912°
Long 81.530333°
16/10/23 11:46 AM GMT +05:30
Google

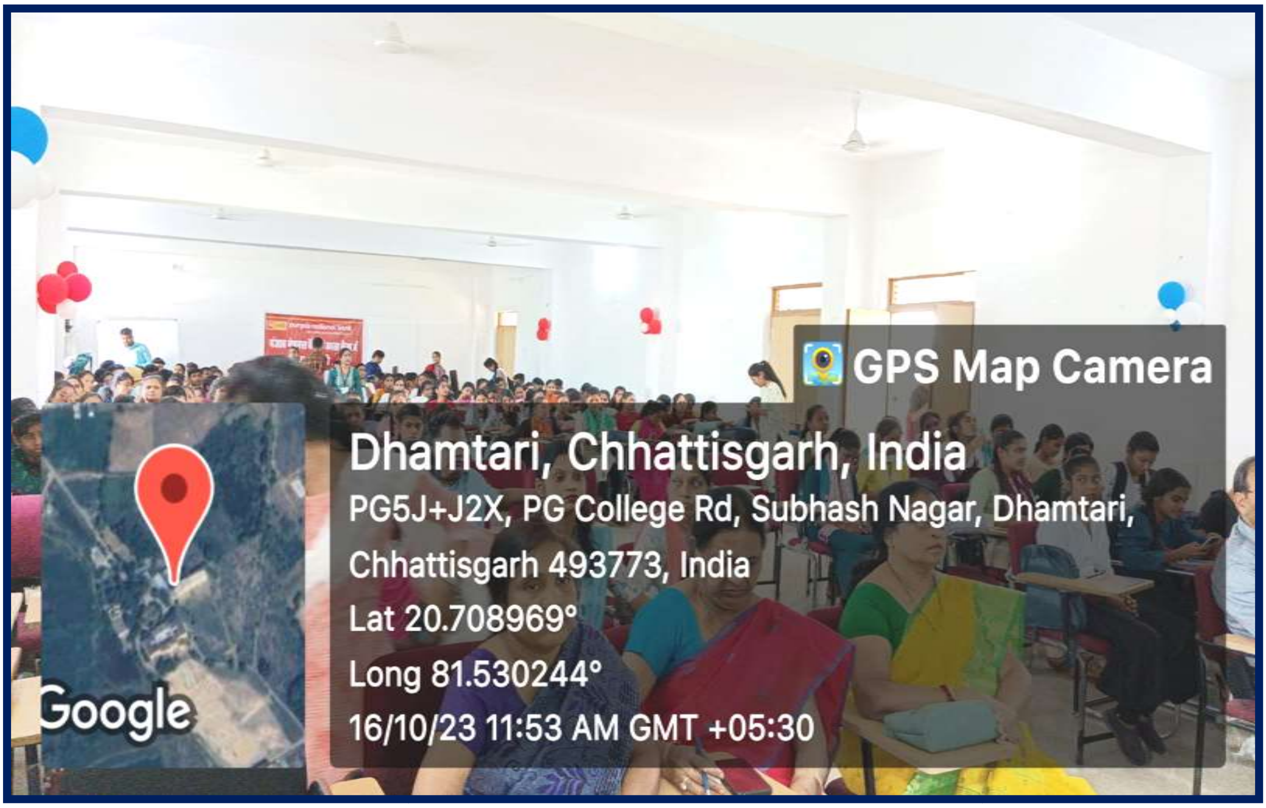
GPS Map Camera
Dhamtari, Chhattisgarh, India
PG5J+J2X, PG College Rd, Subhash Nagar, Dhamtari, Chhattisgarh 493773, India
Lat 20.708969°
Long 81.530244°
16/10/23 11:53 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Dhamtari, Chhattisgarh, India
PG5J+J2X, PG College Rd, Subhash Nagar, Dhamtari, Chhattisgarh 493773, India
Lat 20.708955°
Long 81.530228°
16/10/23 11:53 AM GMT +05:30
Google

साइबर क्राईम रोकने कॉलेज छात्रों को कार्यशाला में दी गई जानकारी

पीजी कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

नवभारत ब्यूरो । धमतरी।

शासकीय पीजी कॉलेज धमतरी के प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे के निर्देशन में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय वित्तीय समावेशन, ऑनलाईन बैंकिंग एवं साइबर जालसाजी था। कार्यक्रम आयोजन में पंजाब नेशनल बैंक धमतरी का विशेष सहयोग रहा। डॉ. मनदीप खालसा विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने कार्यशाला के विषय चयन एवं उसकी वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिता पर प्रकाश डाला। रविकांत आर्य, प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक धमतरी ने देश में स्वतंत्रता पश्चात् बैंकिंग प्रणाली की अत्यंत सीमित विस्तार के कारणों पर प्रकाश डाला तथा इस संबंध में वित्तीय समावेशन की आवश्यकता तथा प्रयासों की व्याख्या की। मनीष कुमार सिंग डिप्टी मैनेजर-पंजाब नेशनल बैंक ने वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तारपूर्व जानकारी दी। बहुत कम प्रीमियम पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति सुरक्षा बीमा योजना, प्राविडेंट फण्ड आदि योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा का लाभ लिया जा सकता है। इस संबंध में बैंको की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। मनीकांत प्रबंधक-पंजाब नेशनल बैंक रायपुर क्षेत्रीय डिजीटल कार्यालय ने ऑनलाईन बैंकिंग, डिजीटल बैंकिंग के व्यापक प्रयोग, उसकी सुरक्षा कार्यक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा किये तथा साईबर फ्रॉड से बचने के उपायों की जानकारी दी। अभय कुमार प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने महिलाओं के लिये पावर सेविंग एकाउण्ट से संबंधित सुविधा की जानकारी दी। इस प्रकार के खातों में महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। भूपेन्द्र साहू, एमए प्रथम सेमेस्टर ने रेपो रेट में परिवर्तन का लोन के प्रीमियम पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रश्न किया, जिस संबंध में मनीष कुमार ने बताया कि रिटेल लोन एवं एमएसई एवं कारपोरेट लोन पर रेपो रेट का त्वरित प्रभाव पड़ता है तथा कृषिऋण केसीसी लोन पर इसका त्वरित प्रभाव नहीं पड़ता है। पूर्व प्राचार्य अर्थशास्त्र डॉ. अनंत दीक्षित ने बैंकिंग प्रणाली के सीमित विस्तार के कारण लोगों को होने वाली समस्याओं के बारे में चर्चा की एवं वर्तमान में व्यापक वित्तीय समावेशन से होने वाले लाभ-जैसे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के द्वारा शासन की योजनाओं का लाभ सीधा लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित होते है। डॉ. सरला द्विवेदी मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष द्वारा शिक्षा ऋण के सम्बंध में प्रश्न पूछा गया, मनीकांत प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक ने शिक्षा ऋण संबंधी आवश्यक दस्तावेज एवं औपचारिकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। रिशिका पंजाबी एमए तृतीय सेम ने स्टार्टअप के संबंध में ऋण प्रक्रिया पर प्रश्न पूछा जिसमें मनीकांत ने शासन की स्टेंडअप योजना, मुद्रा योजना में 10 लाख तक के ऋण ले सकते है के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साइबर के फ्राड के बारे में गौरव जैन प्रेरणा जैन, तृप्ति पटेल ने प्रश्न पूछा जिनके प्रश्नो का यथोचित जवाब बैंक अधिकारियों द्वारा प्रदान किया। पूर्व प्राचार्य, प्रो. वाणिज्य डॉ. चन्द्रशेखर चौबे ने विद्यार्थियों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम से मिलने वाले लाभों की व्याख्या की तथा जामताड़ा जैसे साईबर क्राईम नेटवर्क से सजग एवं सर्तक रहते हुये सुरक्षित डिजिटल भुगतान की सुविधा का लाभ उठाने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तामेश्वरी साहू सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र द्वारा किया गया। डॉ. वेदवती देवांगन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला आयोजन में देवव्रत पटेल, डॉ. हेमवती ठाकुर, उप प्राचार्य डॉ. अनिता राजपुरिया, डॉ. प्रभा वेरूलकर, सरला द्विवेदी, जयश्री पंचांगम, सपना ताम्रकार, गायत्री लहरे, प्रो.कृष्ण कुमार देवांगन, जितेन्द्र मानकर, डॉ. चन्द्रिका साहू, डॉ. एके सिंह, प्रो. निरंजन कुमार, डॉ. राकेश कुमार साहू का सहयोग रहा।

18/10/2023 प्रखर समाचार

वित्तीय समावेशन, ऑनलाईन बैंकिंग एवं साइबर जालसाजी पर कार्यशाला का आयोजन

धमतरी(प्रखर)। बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी (छ.ग.) के प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे के निर्देशन में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 16अक्टूबर को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय "वित्तीय समावेशन, ऑनलाईन बैंकिंग एवं साइबर जालसाजी " था। कार्यक्रम आयोजन में पंजाब नेशनल बैंक, धमतरी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना से की गयी। कार्यक्रम में डॉ. मनदीप खालसा, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए, कार्यशाला के विषय चयन एवं उसकी वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिता पर प्रकाश डाला। श्री रविकांत आर्य, प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक, धमतरी ने हमारे देश में स्वतंत्रता पश्चात् बैंकिंग प्रणाली की अत्यंत सीमित विस्तार के कारणों पर प्रकाश डाला तथा इस संबंध में वित्तीय समावेशन की आवश्यकता तथा प्रयासों की व्याख्या की, पंजाब नेशनल बैंक जो स्टेट बैंक के बाद देश का दूसरा बड़ा वाणिज्यिक बैंक है, के द्वारा वित्तीय समावेशन के द्वारा किये गये प्रयासों जिसमें प्रधानमंत्री जन-धन योजना के द्वारा बड़े पैमाने पर खाता खुलवाकर लोगों ने बैंकिंग की मुख्य धारा में सम्मिलित हुए का भी उल्लेख किया। द्वितीय प्रवक्ता के रूप में मनोष कुमार सिंग, डिप्टी मैनेजर-पंजाब नेशनल बैंक ने वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की विस्तारपूर्व जानकारी दी। बहुत कम प्रीमियम पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति सुरक्षा बीमा योजना, प्राविडेंट फण्ड आदि योजनाओं के माध्यम

से सामाजिक सुरक्षा का लाभ लिया जा सकता है। इस संबंध में बैंको की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के तृतीय प्रवक्ता के रूप में मनोकांत, प्रबंधक-पंजाब नेशनल बैंक, रायपुर क्षेत्रीय डिजीटल कार्यालय ने ऑनलाईन बैंकिग, डिजीटल बैंकिग के व्यापक प्रयोग, उसकी सुरक्षा कार्यक्रम से जुड़े महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा किये तथा साईबर फॉड से बचने के उपायों की जानकारी दी। तत्पश्चात् चतुर्थ प्रवक्ता के रूप में अभय कुमार, प्रबंधक-पंजाब नेशनल बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर ने महिलाओं के लिये पावर सेविंग एकाउण्ट से संबंधित सुविधा की जानकारी दी। इस प्रकार के खातों में महिलाओं को दी जाने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी।

भूपेन्द्र साहू, एम.ए.-प्रथम सेमेस्टर ने रेपो रेट में परिवर्तन का लोन के प्रीमियम पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रश्न किया, जिस संबंध में मनोष कुमार, प्रबंधक-पी.एन.बी. ने बताया कि रिटेल लोन एवं एम.एस.ई. एवं कारपोरेट लोन पर रेपो रेट का त्वरित प्रभाव पड़ता है तथा कृषिऋण ;के.सी.सी. लोनद्ध पर इसका त्वरित प्रभाव नहीं पड़ता है। पूर्व प्राचार्य, प्रो. अर्थशास्त्र डॉ. अनंत दीक्षित ने बैंकिग प्रणाली के सीमित विस्तार के कारण लोगों को होने वाली समस्याओं के बारे में चर्चा की एवं वर्तमान में व्यापक वित्तीय समावेशन से होने वाले लाभ-जैसे प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना के-द्वारा शासन की योजनाओं का लाभ सीधा लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित होते है। डॉ.सरला द्विवेदी मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष द्वारा शिक्षा ऋण के सम्बंध में प्रश्न पूछा गया, मनोकांत प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक ने शिक्षा ऋण संबंधी आवश्यक दस्तावेज एवं औपचारिकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी की उन्होंने प्रतिभा एवं उड़ान शिक्षा ऋण संबंधी जानकारी दी। रिशिका पंजाबी एम.ए. तृतीय सेम. ने स्टार्टअप के संबंध में ऋण प्रक्रिया पर प्रश्न पूछा जिसमें श्री मनोकांत सर ने शासन की स्टेंडअप योजना ,मुद्रा योजना में 10 लाख तक के ऋण ले सकते है के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साइबर के फ्राड के बारे में गौरव जैन प्रेरणा जैन, तृप्ति पटेल ने प्रश्न पूछा जिनके प्रश्नों का यथोचित जवाब बैंक अधिकारियों द्वारा प्रदान किया।

पूर्व प्राचार्य, प्रो. वाणिज्य डॉ. चन्द्रशेखर चौबे ने विद्यार्थियों को डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम से मिलने वाले लाभों को व्याख्या की तथा जामताड़ा जैसे साईबर क्राईम नेटवर्क से सजग एवं सर्तक रहते हुये सुरक्षित डिजिटल भुगतान की सुविधा का लाभ उठाने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तामेश्वरी साहू सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र द्वारा किया गया। डॉ. वेदवती देवांगन ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यशाला आयोजन में देवव्रत पटेल, डॉ. हेमवती ठाकुर, उप प्राचार्य डॉ. अनिता राजपुरिया, डॉ. प्रभा बेरूलकर, डॉ. सरला द्विवेदी, प्रो. जयश्री पंचांगम, डॉ. सपना ताम्रकार, प्रो. गायत्री लहरे, प्रो.कृष्ण कुमार देवांगन, डॉ. जितेन्द्र मानकर, डॉ. चन्द्रिका साहू, डॉ. ए. के. सिंह, प्रो. निरंजन कुमार, डॉ. राकेश कुमार साहू का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के प्राध्यापक गण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कॉलेज के छात्रों को साइबर ठगी से बचने के तरीके बताए

बीसीएस पीजी कॉलेज में किया गया आयोजन

धमतरी| बीसीएस शासकीय स्नातकोत्तर कॉलेज धमतरी में अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 16 अक्टूबर को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका विषय 'वित्तीय समावेशन, ऑनलाइन बैंकिंग व साइबर जालसाजी' था। कार्यक्रम की शुरुआत में विभागाध्यक्ष डॉ. मनदीप खालसा ने कार्यशाला के विषय, चयन व उसकी वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिता पर जानकारी दी।

मुख्य वक्ता पीएनबी धमतरी के प्रबंधक रविकांत आर्य शामिल हुए। उन्होंने देश में स्वतंत्रता के बाद बैंकिंग प्रणाली की सीमित विस्तार के कारणों को बताया। वित्तीय समावेशन की आवश्यकता और

सुरक्षित डिजिटल भुगतान को लेकर किए गए सवाल

अर्थशास्त्र विभाग के छात्रों ने वक्ताओं से विभिन्न प्रश्न पूछे। इसमें रेपो रेट में परिवर्तन से लोन के प्रीमियम पर पड़ने वाले प्रभाव के प्रश्न शामिल थे। सेवानिवृत्त प्राचार्य अनंत दीक्षित ने बैंकिंग प्रणाली के सीमित विस्तार के कारण लोगों को होने वाली समस्याओं के बारे में बताया। डॉ. सरला द्विवेदी ने शिक्षा ऋण के संबंध में प्रश्न पूछा। विद्यार्थियों ने स्टार्टअप, स्टेंडअप योजना, मुद्रा योजना, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, सुरक्षित डिजिटल भुगतान के साथ अन्य बिंदुओं पर प्रश्न पूछे।

Online Registration of Participants

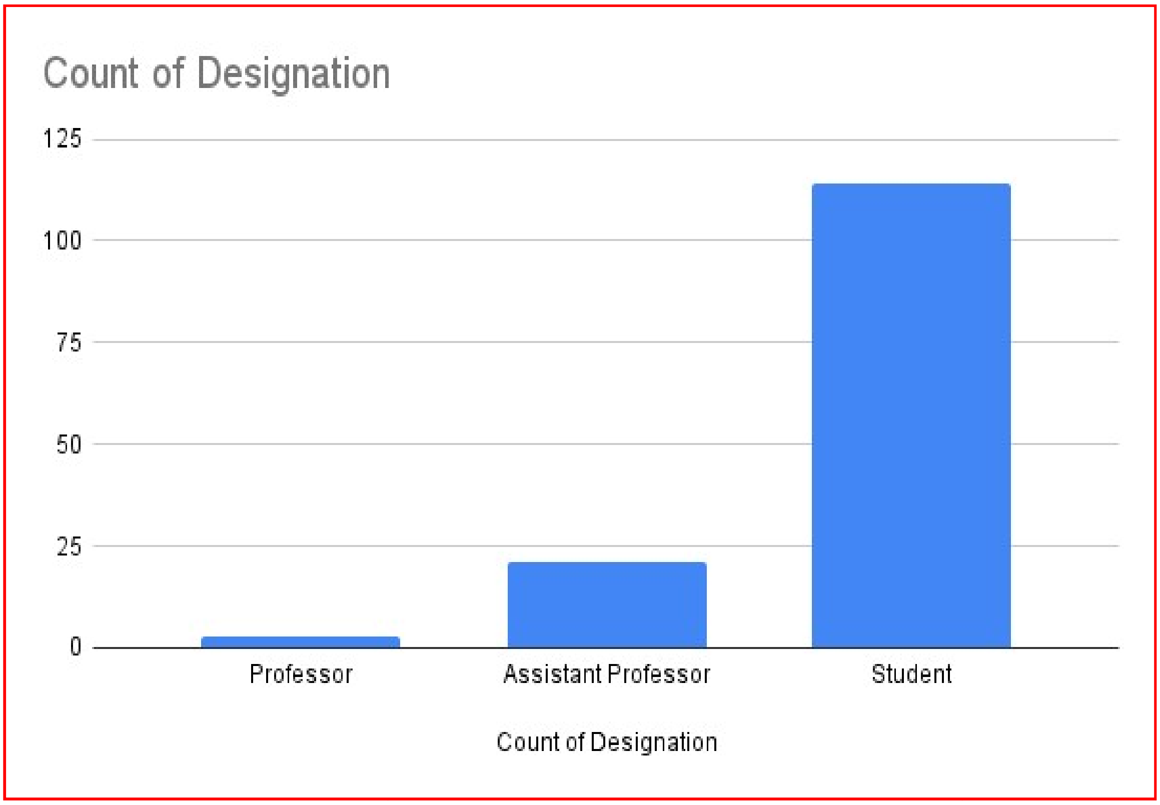

Feedback Analysis

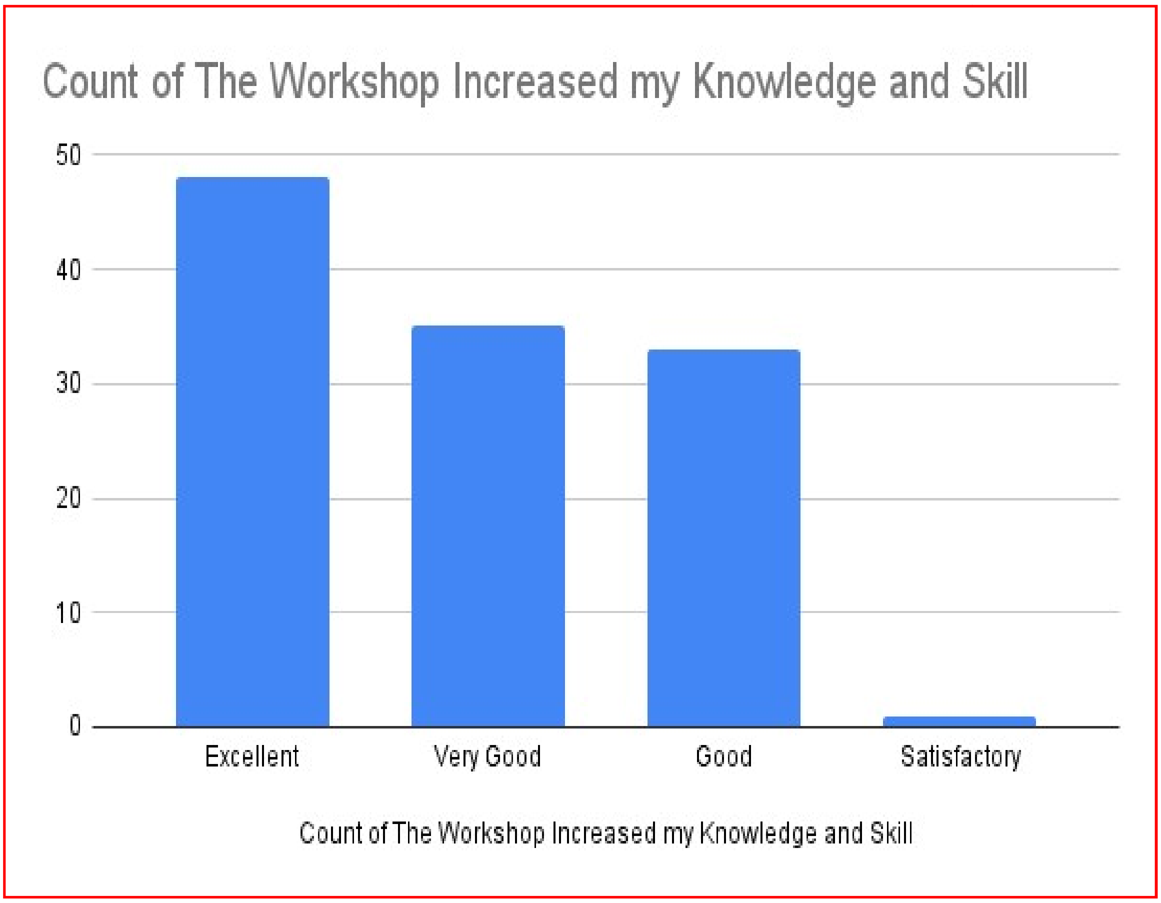

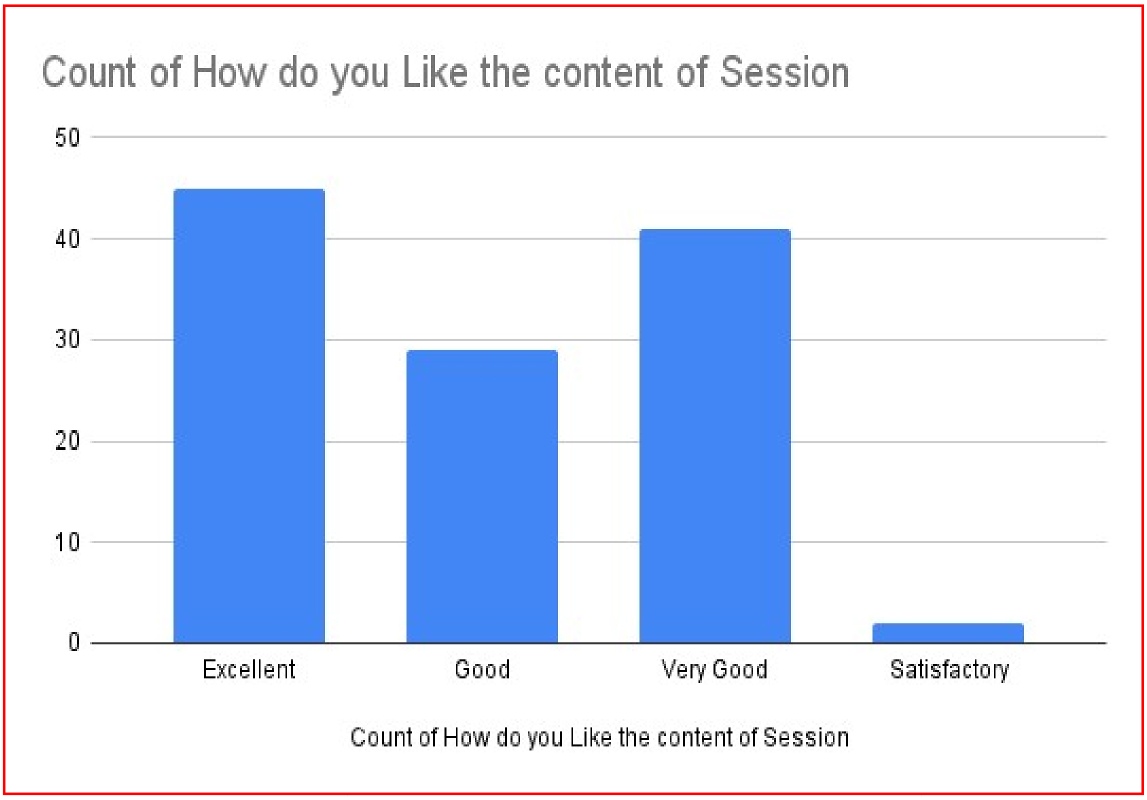
Count of How do you Like the content of Session
50
40
30
20
10
0
Excellent
Good
Very Good
Satisfactory
Count of How do you Like the content of Session

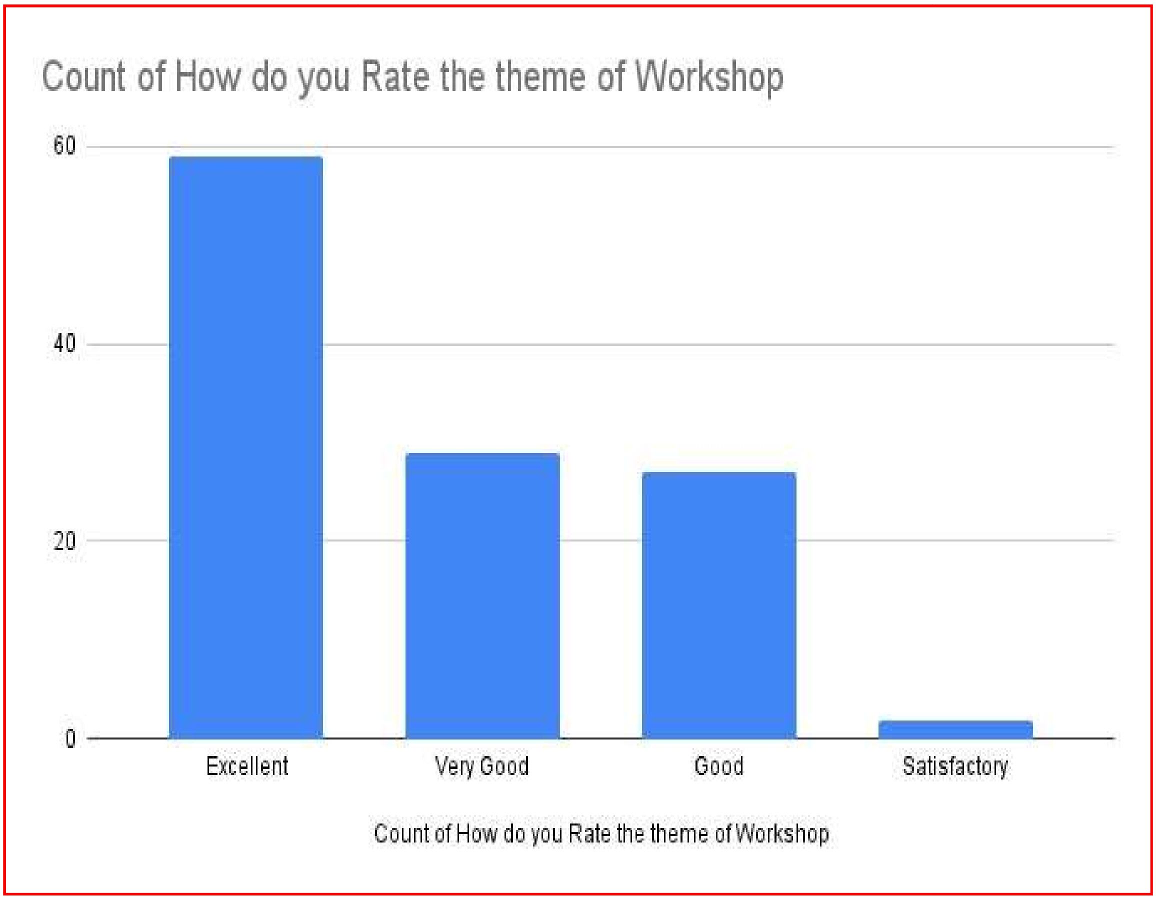
Count of How do you Rate the theme of Workshop
60
40
20
0
Excellent
Very Good
Good
Satisfactory
Count of How do you Rate the theme of Workshop

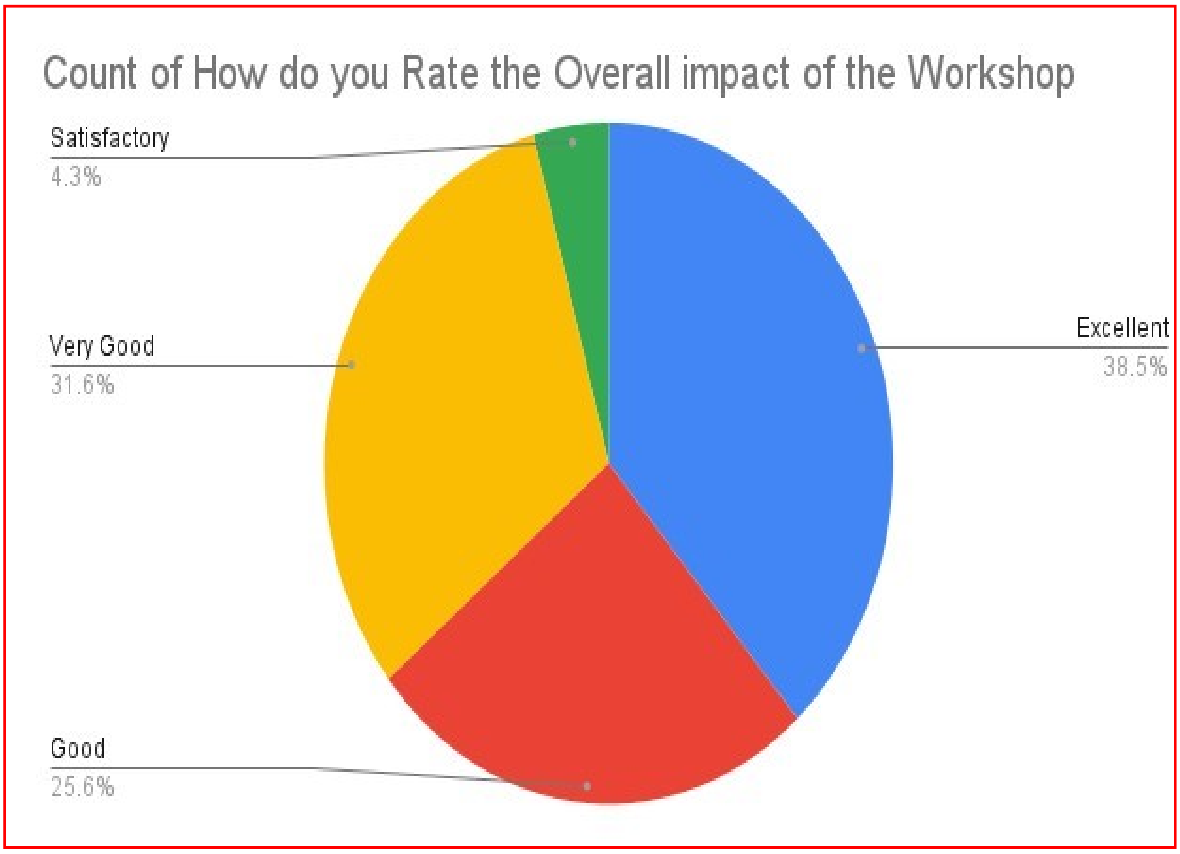
Count of How do you Rate the Overall impact of the Workshop
Satisfactory
4.3%
Very Good
31.6%
Good
25.6%
Excellent
38.5%